

29/7/24

धरणी पेरा डरी सापे 5 बजे तक  
 वाट-वाट भावाप केता गरी  
 छाया असालका व वकालतका  
 मनुष्यपर उ फायदी मदन  
 इली मदन पैरनी के रवागीत  
 आ लानी उ पतापदी के लव  
 शीतप होत र्नि लखर उ  
 मम होत धरणी एतु उ

Pankaj  
 29/07/24

(Faint bleed-through text from the reverse side of the page, including words like 'मदन', 'पतापदी', 'लखर', 'धरणी', 'एतु')